बरेली, शनिवार
30 मई 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

PAGE No. 05 : LEFT BOTTOM

एंबुलेंस सहायक व प्रवासी के पिता ने जीती कोरोना से जंग

जासं, बरेली : जिले में कोरोना के मामले जिस गति से बढ़े थे, उसी गति से संक्रमित स्वस्थ भी हो रहे हैं। बीते दो दिनों में जिले के पांच संक्रमित कोरोना से जंग जीत कर घर लौट चुके हैं। यहां भर्ती पीलीभीत का भी एक व्यक्ति स्वस्थ हुआ है। शुक्रवार को कोविड एल-2 एसआरएमएस हास्पिटल से एंबुलेंस सहायक और मुंबई से लौटे सिरौली के युवक के पिता को स्वस्थ होने के बाद चिकित्सकों ने पुष्प वर्षा कर उन्हें विदा किया।

सिरौली के खलीलुद्दीन का बेटा मुंबई से लौटा था। वह संक्रमित पाया गया था। बाद में परिजनों के सैंपल लिए गए तो खलीलुद्दीन भी पॉजिटिव पाए गए। उनकी उम्र 55 वर्ष होने के चलते उन्हें एल-2 एसआरएमएस में भर्ती किया गया था। इसके अलावा मीरगंज के खानपुरा के युवक राशिद बेग जो की मुंबई से लौटा था। उसकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई थी। उसे अस्पताल ले जाते समय एंबुलेंस सहायक अमित कुमार द्विवेदी के उसके संपर्क में आ गया था। वह भी एसआरएमएस में भर्ती था। दो दिन पूर्व इन दोनों की दोबारा सैंपलिंग कराई गई। शुक्रवार को आई रिपोर्ट में दोनों की रिपोर्ट निगेटिव पाई गईं। इसके बाद शुक्रवार दोपहर दो बजे उन्हें चिकित्सकों की टीम ने डिस्चार्ज कर दिया। शुक्रवार को ही पीलीभीत के 50 वर्षीय सत्तार हुसैन भी स्वस्थ्य होकर घर गए हैं।

एसआरएमएस से स्वस्थ होकर घर गए सत्तार हुसैन, खलीलुदीन और अमित (क्रमश: दाएं से) और उन्हें विदा करती अस्पताल की टीम ● सौजन्य से एसआरएमएस

उपचार के दौरान मिला सम्मान रहेगा याद

उपचार के बाद स्वस्थ्य होकर घर जाते समय अमित द्विवेदी, खलीलुद्दीन ने कहा कि उपचार के दौरान उनका स्टाफ और चिकित्सकों ने काफी ध्यान रखा। समय पर नाश्ता, खाना और फल दिए गए। खलीलुद्दीन और पीलीभीत के सत्तार ने कहा कि ईद पर गिफ्ट आदि दिए गए। सभी ने कहाकि उपचार के दौरान मिला सम्मान हमेशा याद रहेगा।

इतना रखा ख्याल, लगा ही नहीं अस्पताल में हैं

कोरोना के विजेता

जासं, बरेली : कोरोना को मात देकर रामनगर सिरौली के मो. सलीम, मीरगंज के राशिद बेग और बिहारीपुर के फुरकान घर पहुंच चुके हैं। इन्हें गुरुवार को ही बिथरी चैनपुर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। तीनों खुद को क्वारंटाइन किए हुए हैं। अस्पताल में बिताए 14 दिन उनके लिए इतने यादगार होंगे, उन्होंने कल्पना तक न की थी। घर लौटकर अस्पताल स्टाफ के अच्छे व्यवहार की तारीफ की। दैनिक जागरण से उन्होंने अपने अनुभव साझा किए।

हर बात का ध्यान रखता था स्टाफ

कोरोना विजेता फुरकान ● सौ .स्वयं

फुरकान ने बताया कि मुंबई से लौटने के बाद वे सीधे अस्पताल पहुंचे। अस्पताल के स्टाफ ने उनकी सोच ही बदल दी। सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक कई बार उनका चेकअप होता था। सुबह का नाश्ता, दोपहर और रात का खाना, बीच में दूध, फल हर रोज समय से मिलते थे। स्टाफ के लोगों का व्यवहार ऐसा था जैसे घर के लोग आपस में रह रहे हों।

सबसे अलग बनाया आशियाना

कोरोना विजेता राशिद● सौ .स्वयं

मीरगंज के राशिद बेग अब भी परिवार के साथ नहीं रह रहे। उन्होंने गांव के बाहर खेतों के किनारे बने घर में अपना डेरा जमाया है। कहते हैं कि अब 20 दिन यहां रहूंगा। उसके बाद काम-धंधा देखूंगा। मुंबई जाने के बारे में तो सोचना तक नहीं है। जो भी काम मिलेगा, यहीं करूंगा। बताया कि अस्पताल में सभी ने अच्छा व्यवहार किया।

एंबुलेंस यूनियन ने किया स्वागत

एंबुलेंस सहायक अमित सीतापुर के रहने वाले हैं। वह एसआरएमएस से सीतापुर जाते इससे पूर्व रास्ते में एंबुलेंस यूनियन ने उन्हें रोककर माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस स्वागत से वह अभिभूत दिखे। इस दौरान जिलाध्यक्ष नवीन बाबा, उपाध्यक्ष शुभम मिश्रा मौजूद रहे।